



Mr.Ritik Sharma



Ms.Taniya

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120442701

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
17/07/2002 :	जन्म तिथि	: 04/07/2007
बुधवार :	दिन	: बुधवार
घंटे 20:23:00 :	जन्म समय	: 14:20:00 घंटे
घटी 36:48:48 :	जन्म समय(घटी)	: 21:57:58 घटी
India :	देश	: India
Firozpur :	स्थान	: Firozpur
30:55:00 उत्तर :	अक्षांश	: 30:55:00 उत्तर
74:38:00 पूर्व :	रेखांश	: 74:38:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:31:28 :	स्थानिक संस्कार	: -00:31:28 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:39:28 :	सूर्योदय	: 05:32:48
19:35:18 :	सूर्यास्त	: 19:38:31
23:53:17 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:57:49
मकर :	लग्न	: तुला
शनि :	लग्न लग्नाधिपति	: शुक्र
तुला :	राशि	: कुम्भ
शुक्र :	राशि-स्वामी	: शनि
चित्रा :	नक्षत्र	: धनिष्ठा
मंगल :	नक्षत्र स्वामी	: मंगल
4 :	चरण	: 4
सिद्ध :	योग	: प्रीति
बव :	करण	: बालव
री-रीतेश :	जन्म नामाक्षर	: गे-गैरी
कर्क :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कर्क
शूद्र :	वर्ण	: शूद्र
मानव :	वश्य	: मानव
व्याघ्र :	योनि	: सिंह
राक्षस :	गण	: राक्षस
मध्य :	नाड़ी	: मध्य
मृग :	वर्ग	: मार्जार



ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी
मंगल 0वर्ष 1मा 0दि
गुरु

17/08/2020

17/08/2036

गुरु	05/10/2022
शनि	17/04/2025
बुध	24/07/2027
केतु	29/06/2028
शुक्र	28/02/2031
सूर्य	17/12/2031
चन्द्र	17/04/2033
मंगल	24/03/2034
राहु	17/08/2036

अंश

15:41:18
00:58:05
06:30:22
08:40:04
26:52:37
02:44:50
13:40:03
29:21:58
23:23:16
23:23:16
04:12:04
16:06:29
21:24:43

राशि

मक
कर्क
तुला
कर्क
मिथु
कर्क
सिंह
वृष
वृष
वृश्चि
कुंभ व
मक व
वृश्चि व

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध व
गुरु व
शुक्र
शनि
राहु व
केतु व
हर्ष व
नेप व
प्लूटो व

राशि

तुला
मिथु
कुंभ
मेष
मिथु
वृश्चि
सिंह
कर्क
कुंभ
सिंह
कुंभ
मक
धनु

अंश

09:37:48
18:03:47
04:52:47
12:50:49
09:46:38
17:38:34
00:18:08
28:42:32
14:28:53
14:28:53
24:40:59
27:39:36
03:17:27

विंशोत्तरी

मंगल 0वर्ष 11मा 7दि
राहु

11/06/2008

11/06/2026

राहु	22/02/2011
गुरु	18/07/2013
शनि	24/05/2016
बुध	11/12/2018
केतु	29/12/2019
शुक्र	29/12/2022
सूर्य	23/11/2023
चन्द्र	24/05/2025
मंगल	11/06/2026

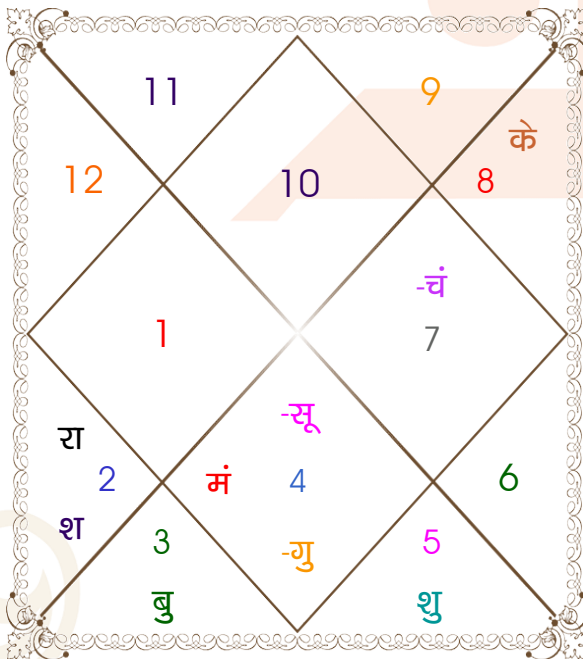
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

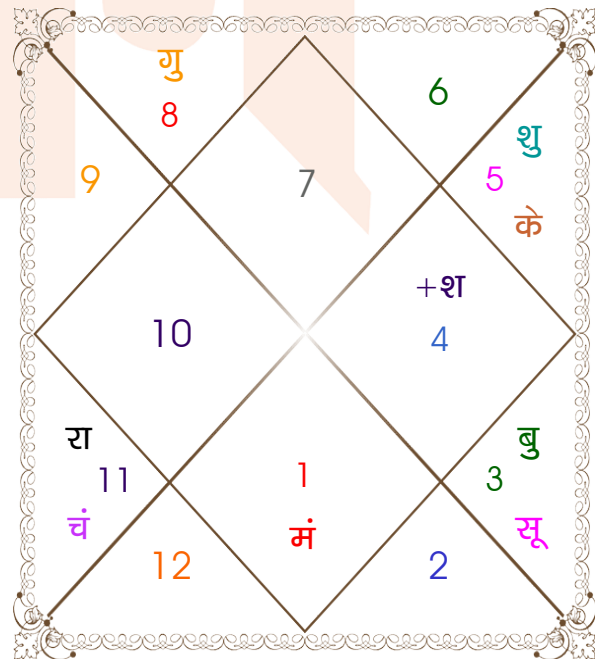
राहु : स्पष्ट

23:53:17 चित्रपक्षीय अयनांश 23:57:49

लग्न-चलित



लग्न-चलित



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अष्टकूट गुण सारिणी

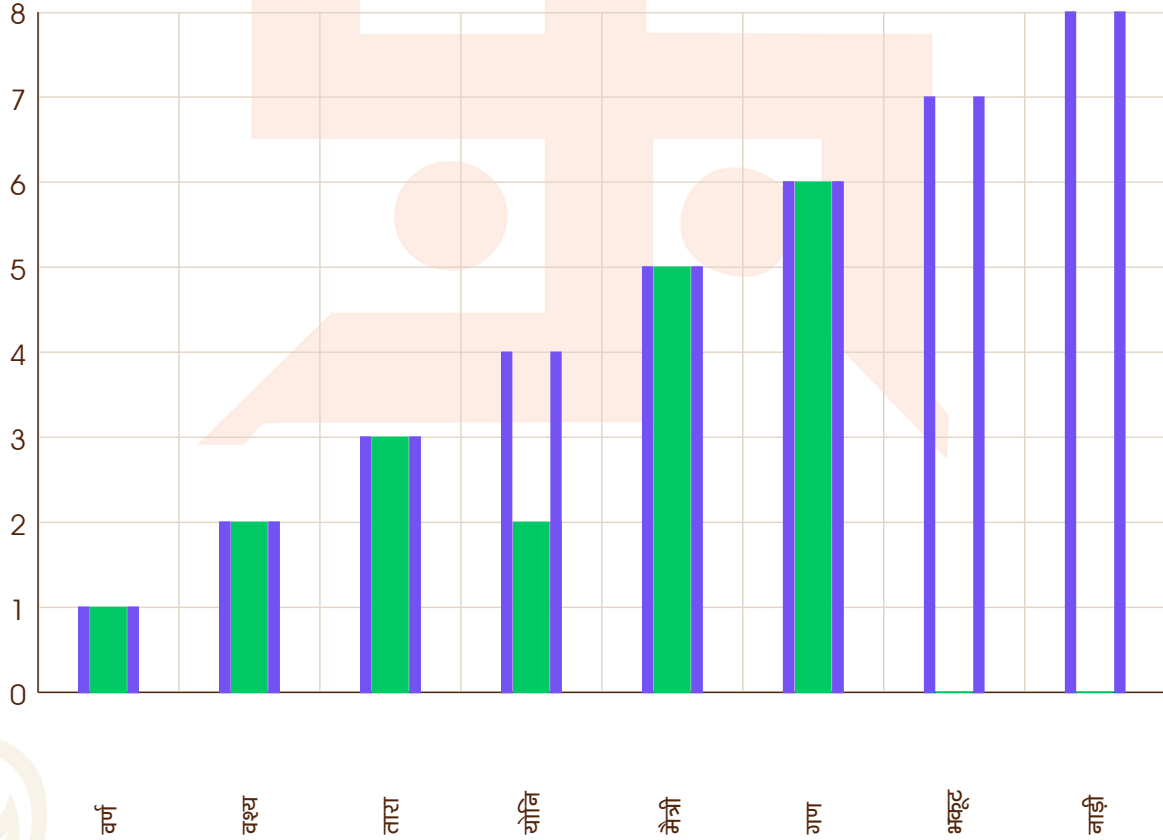
कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाडी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान

कुल :

36

19.00

कुल : 19 / 36



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण्डपलं कि कुण्डली में सप्तम भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढप्ट;थडम्गंवूदकमइ;0द्धत्र।द्धझ क्योंकि मंगल डेण्डपलं कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डतण्टपजपौतउं तथा डेण्डपलं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अष्टकूट फलादेश

वर्ण

डतण्पजपौतउं का वर्ण शूद्र है तथा डेण्जंदपलं का वर्ण भी शूद्र है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। दोनों के स्वभाव, व्यवहार, दृष्टिकोण, पसन्द-नापसन्द में समानता रहेगी। साथ ही दोनों में इतना प्रेम होगा कि लगेगा कि दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों। दोनों के बीच गहरा प्रेम, सद्भाव, साहचर्य एवं पारस्परिक समझ बनी रहेगी। दोनों घर की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को उन्नत एवं सुदृढ़ बनाने के लिए साथ मिलकर कार्य करते रहेंगे।

वश्य

डतण्पजपौतउं का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है एवं डेण्जंदपलं का वश्य भी द्विपद अर्थात् मनुष्य है अर्थात् दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। डतण्पजपौतउं एवं डेण्जंदपलं दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

डतण्पजपौतउं की तारा जन्म तथा डेण्जंदपलं की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

डतण्पजपौतउं की योनि व्याघ्र है तथा डेण्जंदपलं की योनि सिंह है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या

कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में डतण्पजपाँतुं एवं डेण्ज्दपलं दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि डतण्पजपाँतुं एवं डेण्ज्दपलं के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण डतण्पजपाँतुं एवं डेण्ज्दपलं जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

डतण्पजपाँतुं का गण राक्षस है तथा डेण्ज्दपलं का गण भी राक्षस है। अर्थात् डेण्ज्दपलं का गण डतण्पजपाँतुं के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण डतण्पजपाँतुं एवं डेण्ज्दपलं दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

डतण्पजपाँतुं से डेण्ज्दपलं की राशि पंचम भाव में स्थित है तथा डेण्ज्दपलं से डतण्पजपाँतुं की राशि नवम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। दोनों के राशि स्वामियों में परस्पर मित्र होने के कारण नवम-पंचम दोष का परिहार होने के कारण विवाह को स्वीकृति प्रदान की जा सकती है किंतु भकूट मिलान में इसे 0 अंक/गुण प्रदान किया जायेगा। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े होते रह सकते हैं। जिसके कारण डेण्ज्दपलं को संतानोत्पत्ति में भी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

नाड़ी

डतण्पजपौतउं की नाड़ी मध्य है तथा डेण्जंदपलं की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में डतण्पजपौतउं एवं डेण्जंदपलं का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



मेलापक फलित

स्वभाव

डतण्पजपाँतउं की जन्म राशि वायुतत्व युक्त तुला तथा डेण्जंदपलं की राशि भी वायुतत्व युक्त कुम्भ है। वायुतत्व की वायुतत्व से समानता होने पर डतण्पजपाँतउं और डेण्जंदपलं की स्वभावगत विशेषताएं समान रहेंगी फलतः परस्पर संबंधों में मधुरता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा अतः मिलान उत्तम रहेगा।

डतण्पजपाँतउं की राशि का स्वामी शुक्र तथा डेण्जंदपलं की राशि का स्वामी शनि परस्पर मित्र भाव में स्थित है। अतः इनके दाम्पत्य संबंध मधुर रहेंगे तथा एक दूसरे के प्रति सहयोग सहानुभूति तथा समर्पण का भाव रहेगा। वे सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। डतण्पजपाँतउं और डेण्जंदपलं परस्पर गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा सच्चे मित्रों की तरह कमियों की उपेक्षा करेंगे फलतः वैवाहिक जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

डतण्पजपाँतउं और डेण्जंदपलं की राशियां परस्पर पंचम एवं नवम भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा परस्पर अहंकार के भाव में वृद्धि होगी फलतः एक दूसरे से स्वयं को श्रेष्ठ समझने की प्रवृत्ति उत्पन्न होगी जिससे आपसी संबंधों में तनाव तथा कटुता का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति कोई विशेष सदभावना नहीं रहेगी। अतः उपरोक्त प्रवृत्तियों का डतण्पजपाँतउं और डेण्जंदपलं को यत्नपूर्वक परित्याग करना चाहिए।

डतण्पजपाँतउं और डेण्जंदपलं दोनों का वश्य मानव है। अतः इनकी अभिरूचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं समान रहेंगी फलतः दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे।

डतण्पजपाँतउं और डेण्जंदपलं दोनों का वर्ण शूद्र है अतः दोनों की प्रवृत्ति बिना किसी वरीयता के किसी भी कार्य को परिश्रम एवं ईमानदारी से करने की रहेगी। अतः कार्य क्षेत्र में नित्य उन्नति की ओर अग्रसर रहेंगे।

धन

डतण्पजपाँतउं और डेण्जंदपलं का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रशस्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से डतण्पजपाँतउं और डेण्जंदपलं सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

डतण्पजपौतउं को पैतृक सम्पति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में समर्थ होंगे। इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

डतण्पजपौतउं और डेण्जंदपलं एक ही नाड़ी में उत्पन्न हुए हैं। अतः नाड़ी दोष का इन पर दुष्प्रभाव रहेगा जिससे इनको स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। साथ ही मंगल भी दोनों के स्वास्थ्य को प्रभावित करेगा जिससे वे रक्त एवं पित संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे। वे उदर संबंधी कष्ट से भी यदा कदा असुविधा प्राप्त करेंगे। मंगल के प्रभाव से भी इनका स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा। इससे दोनों गुप्त या धातु संबंधी रोगों से पीड़ित रहेंगे एवं रक्तपित का भी प्रकोप रहेगा। साथ ही काम संबंधों में भी शिथिलता तथा उदासीनता के भाव से डतण्पजपौतउं और डेण्जंदपलं असन्तुष्ट रहेंगे। अतः ऐसी स्थिति में विवाह नहीं करना चाहिए तथापि उपरोक्त फलों में न्यूनता के लिए हनुमानजी का पूजन तथा मंगलवार के उपवास करने से किंचित शुभता रहेगी।

संतान

यथोचित समय पर संतति प्राप्ति की दृष्टि से डतण्पजपौतउं और डेण्जंदपलं का मिलान उत्तम नहीं रहेगा। इसके प्रभाव से इन्हें संतति प्राप्ति में विलम्ब होगा तथा बच्चों के मध्य अंतर में भी असामान्य रहेगी जिससे उन के उचित पालन पोषण में असुविधाएं होंगी। इसके अतिरिक्त इनकी पुत्र तथा कन्या संतति की संख्या में समानता रहेगी।

अन्य सामान्य महिलाओं की तरह डेण्जंदपलं के मन में भी प्रसव काल के विषय में चिन्ता तथा भय का भाव व्याप्त रहेगा। लेकिन डेण्जंदपलं को ऐसी अनावश्यक चिन्ताओं तथा भय से मुक्त रहना चाहिए क्योंकि उनका प्रसव सामान्य रूप से सम्पन्न होगा तथा इसमें किसी प्रकार का अनावश्यक कष्ट या परेशानी नहीं होगी। साथ ही सुंदर एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में वह समर्थ रहेंगी तथा स्वयं भी स्वस्थ, प्रसन्नता एवं शांति की अनुभूति करेंगी। साथ ही डतण्पजपौतउं तथा सास ससुर भी उनसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

बच्चों की उत्साह जनक प्रगति से डतण्पजपौतउं और डेण्जंदपलं सन्तुष्ट होंगे तथा बच्चे भी अपनी बुद्धिमता योग्यता एवं व्यवहार कुशलता से अपने क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही अन्य सामाजिक जन भी उनसे प्रसन्न तथा प्रभावित होंगे। माता पिता के प्रति उनके मन में श्रद्धा तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा। उनकी इच्छा के विरुद्ध कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार डतण्पजपौतउं और डेण्जंदपलं का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

डेण्जंदपलं के अपनी सास से संबंधों में अनुकूलता तथा मधुरता रहेगी तथा उनकी

तरफ से डेण्डपलं किसी भी अनावश्यक समस्या या असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। डेण्डपलं के हृदय में उनके प्रति सेवा भाव रहेगा तथा अपनी सेवा के द्वारा उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने के लिए प्रयत्नशील रहेंगी। यद्यपि यदा कदा इनके मध्य मतभेद या विवाद भी होंगे लेकिन यह अल्प समय के लिए होगा तथा सामान्यतया संबंधों में मधुरता बनी रहेगी।

उनके ससुर से डेण्डपलं को विशेष स्नेह सम्मान तथा अनुकूलता प्राप्त नहीं होगी तथा के द्वारा डेण्डपलं को समय समय पर समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा लेकिन देवर एवं ननदों से डेण्डपलं के अत्यंत ही स्नेह एवं सौहार्द पूर्ण संबंध रहेंगे तथा उनसे इन्हें पूर्ण सम्मान तथा सहयोग मिलेगा। साथ ही परस्पर संबंधों में मित्रता का भाव रहेगा तथा आपसी समस्याओं तथा सुख दुख में एक दूसरे को अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे। इस प्रकार डेण्डपलं के सास ससुर का दृष्टिकोण सामान्यतया अनुकूल नहीं रहेगा।

ससुराल-श्री

डतण्टपजपौतंड की सास से संबंधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबंधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर डतण्टपजपौतंड सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन डतण्टपजपौतंड ससुर के साथ मधुर संबंधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का डतण्टपजपौतंड के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबंध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

